भारत – जमैका संबंध

सिंहावलोकन

भारत और जमैका के बीच परंपरागत रूप से सौहार्दपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं जो इतिहास, संसदीय लोकतंत्र तथा राष्ट्रमंडल की सदस्यता, अंग्रेजी भाषा तथा क्रिकेट के लिए प्रेम की साझी सहलग्नताओं पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक रिशता भी है क्योंकि भारतीय नागरिकों को 1845 से 1917 के बीच इस क्षेत्र में संविदा श्रमिक के रूप में लाया गया था। भारत और जमैका दोनों ही गुट निरपेक्ष आंदोलन, जी-77, जी-15, डब्ल्यू टी ओ, डब्ल्यू आई पी ओ, संयुक्त राष्ट्र तथा इसकी विभिन्न सहायक संस्थाओं के सदस्य हैं। विकासशील होने के नाते दोनों देशों के सरोकार समान हैं तथा तेजी से अपने आर्थिक विकास, गरीबी उन्मूलन, अपने लोगों के जीवन के गुणवत्ता में सुधार तथा समता को बढ़ावा देने के लिए उनकी आकांक्षाएं एक जैसी हैं। दोनों ही विभिन्न बहुपक्षीय संस्थाओं के उभरते वास्तुशिल्प को आकार देने में रूचि रखते हैं ताकि विद्यमान असमानताओं को दूर किया जा सके और अन्यों के अलावा ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन तथा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद से संबंधित प्रमुख समकालीन मुद्दों का समाधान किया जा सके। दोनों ही देश दक्षिण – दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने तथा अपने नीतिगत स्पेस पर किसी प्रभाव के बगैर दक्षिण के विकास को बढ़ावा देने के लिए संगत बहुपक्षीय मंचों में विकासशील देशों के लिए बेहतर स्थान प्राप्त करने के साझे उद्देश्य की दिशा में प्रयासों में ताल-मेल स्थापित करने में समान रूप से रूचि रखते हैं। जमैका ने विभिन्न यूएन निकायों तथा अन्य बहुपक्षीय संगठनों के चुनावों में भारतीय उम्मीदवारी का निरंतर समर्थन किया तथा भारत के विभिन्न भागों में निरंतर आतंकी गतिविधियों पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

विभिन्न महत्वपूर्ण समकालीन मुद्दों पर विचारों में समानता, विकासशील देश के रूप में एक समान सरोकार एवं आकांक्षाएं तथा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट सहयोग ने भारत – जमैका द्विपक्षीय संबंधों को ज्यादातर आकार दिया है तथा इसका वर्चस्व रहा है। नई दिल्ली में एक रेजीडेंट मिशन खोलने की जमैका की तलाश को उसकी दयनीय वित्तीय स्थिति में सुधार की प्रतीक्षा है।

राजनीतिक

स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1975 में किंगस्टन का दौरा किया था, जिसके बाद जमैका में एक रेजीडेंट भारतीय मिशन खोलने का निर्णय लिया। जमैका के प्रधानमंत्री श्री एडवार्ड सेगा मार्च, 1983 में 7वें नाम सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत के दौरे पर आए थे। मोंटेगो खाड़ी में जी-15 की नौंवी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी

वाजपेयी ने फरवरी, 1999 में जमैका दौरा किया था। जमैका के विदेश मंत्री श्री अंटोनी हिल्टन ने 1 से 4 अगस्त, 2001 के दौरान भारत का दौरा किया। जमैका के उद्योग, वाणिज्य एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डा. फिलिप पाउवेल के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने 16 से 20 अक्टूबर, 2001 के दौरान भारत का दौरा किया। विदेश राज्य मंत्री श्री दिग्विजय सिंह ने 6-7 फरवरी, 2003 को जमैका का दौरा किया तथा जमैका के विदेश मामले एवं विदेश व्यापार मंत्रालय में राज्य मंत्री सिनेटर डेलानो फ्रैंकलिन के साथ आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री स्तर पर अन्य यात्राएं इस प्रकार हैं – पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री वकेहम मैकनील ने सत्याग्रह के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए जनवरी, 2007 में भारत का दौरा किया; विदेश राज्य मंत्री आनंद शर्मा ने फरवरी, 2007 में जमैका का दौरा किया और प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि ने जून, 2007 में जमैका का दौरा किया। हमारे प्रधानमंत्री ने न्यूयार्क में 25 सितंबर, 2008 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अतिरिक्त समय में जमैका के पूर्व प्रधानमंत्री श्री ओरेटी ब्रूस गोल्डिंग के साथ संक्षिप्त बैठक की थी।

जून, 2013 में, माननीय प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि ने मोंटेगो खाड़ी, जमैका में 16 से 19 जून, 2013 के दौरान 'पांचवां द्विवार्षिक डायसपोरा सम्मेलन' में भाग लेने के लिए जमैका सरकार के निमंत्रण पर जमैका का पुन: दौरा किया था। माननीय मंत्री महोदय ने 19 जून को सभा को संबोधित किया था। अपनी यात्रा के दौरान, माननीय मंत्री महोदय ने जमैका के प्रधानमंत्री माननीय पोर्टिया सिंपसन मिलर, उद्योग, निवेश एवं वाणिज्य मंत्री माननीय एंटोनी हिल्टन तथा विदेश मामले एवं विदेश व्यापार राज्य मंत्री माननीय अर्नाल्डो ब्राउन से भी शिष्टाचार मुलाकात की।

फरवरी, 2014 में, जमैका के उद्योग, निवेश एवं वाणिज्य मंत्री माननीय एंटोनी हिल्टन के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने 12 से 14 फरवरी, 2014 के दौरान मुंबई में आयोजित नैस्कॉम भारत नेतृत्व मंच 2014 में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

अब तक विदेश कार्यालय स्तरीय परामर्श के चार चक्र आयोजित हुए हैं। तीन चक्र किंगस्टन में 2001, 2005, 201 में और एक चक्र नई दिल्ली में 2004 में आयोजित हुआ है। किंगस्टन में विदेश कार्यालय परामर्श के चौथे चक्र के दौरान जमैका में कृषि, खेल, लघु उद्योगों में विकास में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने; निवेश के संरक्षण एवं संवर्धन पर द्विपक्षीय करार करने तथा दोहरे कराधान के परिहार पर करार करने के लिए सहमति हुई थी। भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एन एस आई डी सी) और और जमैका व्यवसाय विकास केंद्र (जे बी डी सी) के बीच एम ओ यू तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स (फिक्की) और जमैका चैंबर आफ कामर्स (जे सी सी) के बीच एम ओ यू को प्रोत्साहित करने एवं सुगम बनाने पर भी

सहमति हुई थी। प्रत्यर्पण संधि तथा परस्पर कानूनी सहायता पर संधि पर पहले आदान – प्रदान किए गए ड्राफ्ट को संशोधित करने पर भी सहमति हुई थी।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक

हाल के दिनों में, भारत एवं जमैका के बीच द्विपक्षीय आर्थिक एवं वाणिज्यिक अंत:क्रिया बाधित हुई है जिसके कारणों में अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित शामिल हैं - जमैका की बिगड़ती आर्थिक स्थिति, औद्योगिक एवं संरचनात्मक कमजोरी, अर्थव्यवस्था का छोटा आकार, भारत से दूरी तथा यूएसए, ईयू एवं कैरेबियन के साथ तरजीही व्यापार व्यवस्था। जमैका के साथ भारत की आर्थिक एवं वाणिज्यिक अंत:क्रिया की कुछ प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- भारत से (मैसर्स क्रिलोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड) वाटर पंप का आयात करने के लिए वर्ष 2001 में भारत द्वारा 7.5 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की ऋण सहायता प्रदान की गई।
- भारत ने फरवरी, 2009 में तत्कालीन एम ओ एस (ए एस) द्वारा 2007 में दिए गए आश्वासन के बाद जमैका आई सी टी क्षमता विकास परियोजना के तहत एक आईटी केंद्र स्थापित किया। करार के तहत भारत ने संपूर्ण हार्डवेयर, साफ्टवेयर, प्रशिक्षण माड्यूल तथा दो साल की अवधि के लिए एन आई आई टी द्वारा प्रतिनियुक्त तीन संकाय सदस्य प्रदान किया, जिन्होंने आई टी स्किल के विभिन्न माड्यूलों में जमैका के हजारों नागरिकों को प्रशिक्षण दिया। यह कार्यक्रम फरवरी, 2011 में समाप्त हो गया। 17 मार्च, 2011 को समापन समारोह आयोजित किया गया तथा इसे तत्कालीन सूचना मंत्री डैरेल वाज तथा तत्कालीन विदेश मामले एवं विदेश व्यापार राज्य मंत्री सुश्री मार्लिन मलाहू फोर्ट, उच्चायुक्त तथा अन्य विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संबोधित किया गया।
- सितंबर, 2004 में, इस द्वीप समूह में इवान चक्रवात के पीड़ितों के लिए दवाओं एवं चिकित्सा आपूर्ति के रूप में भारत द्वारा 2,00,000 अमरीकी डालर की सहायता प्रदान की गई।
- भारत सरकार ने किंगस्टन में बुस्टामांटे बाल अस्पताल के लिए दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए मानवीय सहायता के रूप में अगस्त, 2010 में 3,00,000 अमरीकी डालर (तीन लाख अमरीकी डालर मात्र) की राशि दान में दी।
- उष्णकटिबंधीय तूफान निकोले जो जमैका में सितंबर – अक्टूबर, 2010 में आया था, की पृष्ठभूमि में भारतीय मानवीय सहायता के अंग के रूप में भारत सरकार द्वारा जमैका सरकार को दिसंबर, 2010 में 50,000 अमरीकी डालर (पचास हजार अमरीकी डालर मात्र) की राशि दान में दी गई।
- भारत आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत जमैका को हर साल 20 स्लॉटों की पेशकश करता

है। अब तक भारत की विभिन्न संस्थाओं में जमैका के लगभग 280 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया है। वर्ष, 2015 से स्लाटों की संख्या बढ़ाकर 20 कर दी गई है।

- जून – जुलाई, 2010 में मोंटेगो खाड़ी में आई ए टी ए द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन वार्ता सम्मेलन के दौरान भारत और जमैका ने नागर विमानन में सहयोग के लिए करार पर चर्चा आरंभ की।
- खाद्य अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए जमैका की वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद और सी एस आई आर के बीच एक एम ओ यू पर जनवरी, 2010 में हस्ताक्षर किया गया तथा इस समय यह प्रभावी है।
- जुलाई, 2011 में किंगस्टन में विदेश कार्यालय स्तरीय परामर्श के चौथे चक्र के बाद नेशनल स्माल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड इंडिया (एन एस आई सी) और जमैका व्यवसाय विकास निगम (जे बी डी सी) के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर 28 फरवरी, 2012 को किया गया।
- भारत और जमैका करों के संबंध में संग्रहण में सहायता तथा सूचना के आदान – प्रदान के लिए करार (ए ई आई एवं एसीटी) करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए हैं। भारत ने प्रारूप करार का प्रस्ताव रखा है तथा इस प्रस्तावित प्रारूप पर जमैका से जवाब की प्रतीक्षा कर रहा है।
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया जमैका के लघु व्यवसाय संघ की क्षमता निर्माण प्रक्रिया में राष्ट्रमंडल सचिवालय के साथ संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए सहमत हुआ है।
- भारत को 26 अप्रैल से 7 मई, 2010 के दौरान किंगस्टन, जमैका में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संस्तर प्राधिकरण (आई एस बी ए) के 16वें सत्र के दौरान वर्ष 2010-11 के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुद्रीय संस्तर प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में चुना गया।
- भारत सरकार जमैका में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (वी टी सी) स्थापित करने पर विचार कर रही है। व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र रोजगार के लिए जमैका के युवाओं को पेशेवर कौशलों में प्रशिक्षण प्रदान करने में मदद करेगा। इस सिलसिले में, एचएमटी (इंटरनेशनल) लिमिटेड के दो विशेषज्ञों ने फील्ड अध्ययन के लिए 4 से 10 मई, 2014 के दौरान किंगस्टन का दौरा किया तथा उन्होंने व्यावसायिक केंद्र स्थापित करने के लिए संबंधित प्राधिकरणों को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।
- सबीना पार्क में फ्लड लाइट लगाने के लिए 2.1 मिलियन अमरीकी डालर की भारतीय अनुदान सहायता प्रदान करने के लिए भारत सरकार और जमैका सरकार के बीच 31 मार्च, 2014 को एक समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किया गया। इस संबंध में पहली किस्त के रूप में 0.770 मिलियन अमरीकी डालर का चेक जमैका सरकार को दिया गया। 10 जुलाई को 1.33 मिलियन अमरीकी डालर की शेष राशि के लिए चेक जमैका सरकार को सौंपा गया।

भारत की ओर से जमैका को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : मोटर पार्ट्स, खनिज ईंधन, खनिज तेल, टेक्सटाइल, कॉटन, रेडिमेड गारमेंट्स, औद्योगिक मशीनरी, प्लास्टिक एवं लिनोलियम के उत्पाद, मोती, बहुमूल्य एवं अर्धबहुमूल्य पत्थर, आर्टिफिसियल ज्वेलरी तथा भेषज उत्पाद।

भारत जमैका से जिन वस्तुओं का आयात करता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : बेवरेज, जैविक रसायन, स्टील स्क्रैप तथा अन्य विविध उत्पाद।

पिछले दो वर्षों के लिए भारत और जमैका के बीच व्यापार के प्रासंगिक आंकड़े इस प्रकार हैं :

(मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

	2013-14	2012-13	2011-12	2010-11	2009-10
जमैका को निर्यात	36.22	29.70	26.66	22.34	20.85
जमैका से आयात	0.90	2.40	1.62	0.77	0.65
कुल व्यापार	37.12	32.10	28.28	23.11	21.51
व्यापार संतुलन	35.32	27.30	25.04	21.57	20.20

(स्रोत : वाणिज्यिक विभाग – आयात-निर्यात डाटा बैंक)

(भारतीय मूल के उत्पादों का जमैका को उल्लेखनीय मात्रा में निर्यात यूएस, कनाडा और यूके से होता है। छोटी मात्रा के अलावा इन देशों के साथ विद्यमान व्यापार नेटवर्क की वजह से यह उपर्युक्त सांख्यिकी में परिलक्षित नहीं होता है।)

अभी तक जमैका में कोई भारतीय व्यापार प्रदर्शनी नहीं आयोजित हुई है और इसी तरह भारत में भी जमैका की कोई व्यापार प्रदर्शनी आयोजित नहीं हुई है। भारत से जमैका में निवेश नगण्य है / नहीं है। जमैका में न तो कोई भारतीय बैंक या व्यापार केंद्र है और न ही भारत से कोई सीधा हवाई संपर्क या पोत परिवहन लाइन है। जमैका का भारत में न तो कोई रेजीडेंट मिशन है और न ही कोई व्यापार प्रतिनिधि है, हालांकि अब वे एक व्यापार प्रतिनिधि को नियुक्त करने की प्रक्रिया में हैं। जमैका के साथ निवेश संरक्षण, दोहरा कराधान परिहार, स्वापक पदार्थ एवं नशीले पदार्थों की तस्करी, प्रत्यर्पण संधि या सिविल / आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता पर कोई द्विपक्षीय करार नहीं है।

संस्कृति

संस्थागत सांस्कृतिक अंत:क्रिया वस्तुत: अस्तित्व में नहीं है जिसका अधिकतर कारण यह है कि जमैका ऐसे आदान – प्रदान को वित्त पोषित करने की स्थिति में नहीं है। भारतीय डायसपोरा व्यवसाय समुदाय द्वारा भारतीय सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उत्साह एवं समर्थन के अभाव में नियमित आधार पर आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित सांस्कृतिक मंडलियों को आमंत्रित करने के लिए स्थानीय अतिथि सत्कार की आवश्यकता को पूरा करने में मिशन की क्षमता प्रतिबंधित हुई है। परिणामत: मिशन को महत्वपूर्ण अवसरों पर सेमिनार, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गोष्ठी आदि का आयोजन करके भारतीय संस्कृतिक को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय प्रतिभाओं एवं सीमित संसाधनों का उपयोग करना पड़ता है।

- जमैका में 'फ्रेंड्स आफ इंडियन कम्युनिटी' ने सितंबर, 2007 में 'डांस आफ इंडिया फेस्टिवल' का आयोजन किया। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, पारीमारिबो से दो संगीत शिक्षकों ने किंगस्टन का दौरा किया तथा जुलाई, 2007 में एडना मानले कालेज आफ विजुअल एंड परफार्मिंग आर्ट्स, किंगस्टन में शास्त्रीय संगीत एवं तबला में 70 छात्रों को प्रशिक्षण दिया। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, पारीमारिबो, सूरीनाम से एक नृत्य शिक्षक ने 2008 में दो सप्ताह के लिए जमैका का दौरा किया तथा एडना मानले कालेज आफ विजुअल एंड परफार्मिंग आर्ट्स, किंगस्टन में छात्रों को सिखाया।
- सूरीनाम स्थित नृत्य स्कूल "नृत्यांजलि'' से पांच सदस्यीय एक नृत्य मंडली और भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, सूरीनाम से एक तबला शिक्षक ने फरवरी, 2012 और फरवरी, 2013 में जमैका में परफार्मेंस दिया। परफार्मेंस में काफी भीड़ इकट्ठी हुई तथा दर्शकों द्वारा इसे खूब सराहा गया जिसमें कैबिनेट मंत्री, संसद सदस्य, शिक्षाविद, राजनयिक मिशनों के प्रमुख, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात सदस्य, भारतीय डायसपोरा के सदस्य, भारत – जमैका मीडिया आदि के सदस्य शामिल थे।
- मिशन द्वारा 1 दिसंबर, 2011 को गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई। यह एक बड़ा कार्यक्रम था जिसमें 350 से अधिक लोगों को आमंत्रित किया गया जिसमें मंत्री, वी आई पी, संसद सदस्य, शिक्षाविद, कलाकार, कारपोरेट कार्यपालक, समाज के प्रबुद्ध वर्ग तथा अन्यों के अलावा भारतीय समुदाय के प्रख्यात सदस्य शामिल थे। कार्यक्रम के तहत विख्यात साहित्यकार प्रोफेसर एडवर्ड बाघ द्वारा गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर की रचनाओं से कविता पाठ; एक मशहूर कला समीक्षक तथा डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री आफ आर्ट्स, कोर्नेल विश्वविद्यालय में विजिटिंग स्कालर डा. पेट्रिन आर्चर द्वारा टैगोर के जीवन पर संक्षिप्त प्रस्तुति और जमैका में सम्मानित मंच कलाकार डा. जीन स्माल द्वारा एक लघु नाटिका शामिल थी। कलाकारों में मशहूर मंच कलाकार शामिल थे। इसके बाद आई सी सी आर द्वारा भारत से भेजे गए 11 सदस्यीय प्रीति पटेल डांस ट्रुप द्वारा एक सनसनीखेज सांस्कृतिक परफार्मेंस दिया गया जिसने गुरूदेव रवींद्रनाथ

टैगोर के नाटक 'चित्रा' का मंचन किया। कोर्टलीघ ऑडोटोरियम जो किंगस्टन में सबसे बड़ा ऑडोटोरियम है, जिसकी क्षमता 400 है, अपनी क्षमता के अनुसार फुल था। यह कार्यक्रम मीडिया द्वारा कवर किया गया। इसे खूब सराहा गया तथा भारतीय संस्कृति एवं गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर के योगदान के बारे में बेहतर समझ प्रदान करने में योगदान दिया।

- जमैका में मार्च / अप्रैल, नवंबर / दिसंबर, 2012 तथा दिसंबर, 2013 में वर्ल्डवाइड इवेंट्स इंडिया द्वारा भारतीय ग्राम शिल्प मेला आयोजित किया गया।
- किंगस्टन में चार मुख्य भारतीय संघ हैं तथा ओचो रियोस एवं मोंटेगो खाड़ी में एक-एक भारतीय संघ हैं। भारतीय संघों के अलावा, हिंदू धार्मिक समूह हैं जैसे कि 'सनातन धर्म मंदिर'; 'प्रेम सतसंग' और किंगस्टन में श्री सत्य साई बाबा संगठन।
- प्रसिद्ध दांडी मार्च को दर्शाने वाली महात्मा गांधी की प्रतिमा वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय, मोना कैंपस, किंगस्टन में लगाई, जिसे भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा प्रदान किया गया है। इस प्रतिमा का अनावरण 12 जुलाई, 2012 को उच्चायुक्त द्वारा किया गया। इस उद्घाटन कार्यक्रम में लगभग 200 मेहमानों ने भाग लिया जिसमें जमैका के प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री, प्रधानाचार्य, डीन, मानवीकी संकाय, वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, राजनयिक समुदाय के सदस्य, शिक्षाविद, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से गणमान्य हस्तियां तथा भारतीय डायसपोरा के सदस्य शामिल थे। इस कार्यक्रम को मीडिया द्वारा बड़े पैमाने पर कवर किया गया।
- वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय (यू डब्ल्यू आई) तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) के बीच इंडोलाजी / गांधी अध्ययन पर एक चेयर स्थापित करने के लिए करार पर 30 अगस्त, 2012 को हस्ताक्षर किया गया तथा इसे अगस्त, 2013 में शैक्षिक वर्ष के प्रारंभ तक चालू किया जाना था परंतु उम्मीदवार का चयन न हो पाने की वजह से ऐसा नहीं हो सका। उम्मीद है कि इस साल यह चेयर शुरू हो जाएगा।
- जमैका सरकार ने हाल ही में श्री प्रकाश वासवानी को भारत के लिए जमैका के विशेष दूत के रूप में नियुक्त किया है तथा उन्होंने महामहिम श्री क्लेमेंट फिलिप एलीकॉक को टोकियो में निवास के साथ जमैका के उच्चायुक्त के रूप में नामित किया है जिन्होंने अक्टूबर, 2014 में अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया है।

खेलों का आदान – प्रदान

कप्तान एम एस धोनी के नेतृत्व में 25 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम ने जून, 2009 में किंगस्टन में दो एकदिवसीय मैच खेले थे। पुन: 2011 में कैरेबियन क्षेत्र के अपने भ्रमण के अंग के रूप में भारतीय क्रिकेट टीम ने जून, 2011 में किंगस्टन, जमैका में एक ओडीआई एवं एक टेस्ट मैच खेला। एम एस धोनी के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने त्रिराष्ट्रीय सीरीज में हिस्सा

लेने के लिए जमैका का दौरा किया जिसमें भारत, वेस्टइंडीज और श्रीलंका शामिल थे। उन्होंने 30 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ और 2 जुलाई, 2013 को श्रीलंका के खिलाफ सबीना पार्क, किंगस्टन में मैच खेला। इंडिया हाउस में 27 जून को उच्चायुक्त द्वारा स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। सभी अवसरों पर क्रिकेट प्रेमियों द्वारा टीम का उत्साह के साथ स्वागत किया गया।

भारतीय डायसपोरा

लगभग 70,000 का भारतीय डायसपोरा, जिनके पूर्वज भारत (मुख्य रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, बस्ती, देवरिया, गोरखपुर) से 1845 से 1917 के बीच संविदा श्रमिक के रूप में यहां आए थे, जिनका जमैका की कुल आबादी में 3 प्रतिशत अनुपात है, को अपने भारतीय मूल पर गर्व है तथा उन्होंने भारतीय संस्कृति, संगीत, नृत्य एवं इतिहास को कायम रखा है तथा इसमें उनकी गहरी रूचि है। वे जमैका के समाज के साथ अच्छी तरह घुलमिल गए हैं – पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री डा. केनेथ बाघ द्वारा शौक से उनका वर्णन 'आनुवंशिक रूप से घुले-मिले तथा जमैका के समाज में एकीकृत' के रूप में वर्णन किया गया – तथा जमैका के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में उनके योगदान को जमैका में सर्वोच्च राजनीतिक स्तर पर स्वीकार किया गया है एवं सराहा गया है।

कलकत्ता से संविदा श्रमिकों को ले जाने वाली पहली जलयान – ब्लंडेल हंटर 8 मई, 1845 को मोरेंट खाड़ी पहुंचा था तथा अगले दिन यह किंगस्टन के पास ओल्ड हार्बर के लिए रवाना हो गया। यह स्वीकार किया गया है कि 261 भारतीय सबसे पहले 10 मई, 1845 को ओल्ड हार्बर पर उतरे। अब 10 मई को आधिकारिक तौर पर जमैका में राष्ट्रीय विरासत दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जमैका में ड्यूटी फ्री कारोबार पर सिंधी समुदाय (लगभग 250 परिवार) का एकाधिकार है तथा ज्वेलरी, इलेक्ट्रानिक्स एवं घरेलू सामान के बाजार पर उनका अधिकतर वर्चस्व है। वे अपनी स्थापनाओं में कार्यालय प्रबंधक के रूप में काम करने के लिए प्रवासी मजदूरों के एक अन्य समूह को यहां लाए हैं। डाक्टर, प्रोफेसर, सनदी लेखाकार आदि जैसे प्रवासी कुशल भारतीय पेशेवरों का एक छोटा यायावर एवं विस्तृत हो रहा एक समूह भी है जो बहुत उच्चकोटि की पेशेवर एवं विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करता है तथा परिणामत: अधिक वेतन पाता है और अधिक सम्मान भी अर्जित करता है। अनेक प्रोफेसर प्रतिष्ठित वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय, मोना, किंगस्टन में पढ़ाते हैं तथा कई डाक्टर सरकारी अस्पतालों से अटैच हैं।

चयन होने एवं निमंत्रण प्राप्त होने पर भारत से एक प्रोफेसर डा. अशोक कुलकर्णी को किंगस्टन में प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वाइस प्रेसीडेंट के रूप में नियुक्त किया गया।

कार्यकाल पूरा हो जाने पर उन्होंने वहां से प्रस्थान कर दिया है। भारतीय मूल के दो व्यक्ति सर्वोच्च न्यायिक पदों पर हैं – न्यायमूर्ति (सुश्री) इंगरिड मंगाताल उच्चतम न्यायालय की जज हैं तथा न्यायमूर्ति महादेव डखरान को उच्चतम न्यायालय से स्तरोन्नत करके अपीलीय बेंच में भेजा गया है। भारतीय मूल के एक अन्य जमैकन श्री केनेथ एस बेंजामिन, जिन्होंने जमैका की राष्ट्रीयता प्राप्त कर ली है, को भारतीय प्रवासी सम्मान पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष, 2013 में आजादी की 91वीं वर्षगांठ के अवसर पर जमैका सरकार द्वारा होप जू के जीर्णोद्धार एवं विस्तार में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उनको जमैका के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'आर्डर आफ जमैका' से सम्मानित किया गया। वह भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं जिन्हें यह पुरस्कार दिया गया है। श्री बेंजामिन ने उद्योग जगत को योगदान के लिए अनेक पुरस्कार प्राप्त किया है जिसमें 2006 में प्रतिष्ठित आर्डर आफ डिस्टिंक्शन, कमांडर क्लास शामिल है। भारतीय सांस्कृतिक सोसायटी की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सिप्रागी मराग को 2010 में जमैका सरकार द्वारा चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, किंगस्टन की वेबसाइट :
http://www.hcikingston.com/

भारतीय उच्चायोग, किंगस्टन का फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/HighCommissionOfIndiaKingston

***

जनवरी, 2015